



चलो करें मतदान



महत्वपूर्ण संसाधन

सुल्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम
Systematic Voters Education And Electoral Participation



- SVEEP देश में मतदाता शिक्षा की दिशा में काम करने वाला भारत निर्वाचन आयोग का प्रमुख कार्यक्रम है। इसमें नागरिकों, निर्वाचकों और मतदाताओं को चुनावी प्रक्रिया के बारे में शिक्षित करने के लिए विकसित किए गए विभिन्न तरीके और मीडिया के माध्यम से की गई पहल शामिल हैं जिससे चुनावी प्रक्रियाओं के बारे में उनकी जागरूकता और भागीदारी को बढ़ाया जा सके। 🌐 ecisveep.nic.in

ELECTORAL LITERACY CLUB



निर्वाचन साक्षरता क्लब Electoral Literacy Club – ELC ऐसा मंच है जिसमें छात्रों को रोचक गतिविधियों और व्यावहारिक अनुभवों में शामिल करते हुए उन्हें उनके चुनावी अधिकारों के बारे में बताया जाएगा व निर्वाचन के मूलभूत तत्वों जैसे मतदाता सूची में पंजीकरण और मतदान की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी जाएगी।
ecisveep.nic.in/files/category/12-elcs

मेक्स. डेमोक्रेसी (Mx. Democracy) एक दिलचस्प और रोमांचक

डिजिटल गेम है जिसे कंप्यूटर या स्मार्टफोन पर खेला जा सकता है। अपने

किरदार की वेश-भूषा चुनने के बाद, खिलाड़ी 6 अलग-अलग मानचित्रों में पहुंचते

हैं जहां वे नए पात्रों के साथ मिलकर नयी चुनौतियों का समाधान निकालते हैं, और चुनावों से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों को जानते हैं। इस खेल को Google Playstore अथवा SVEEP वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है।

🌐 ecisveep.nic.in/files/file/1155-mx-democracy-smartphone-pc-game



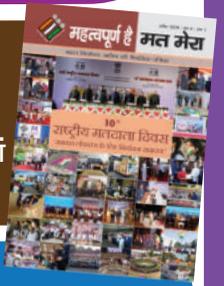
वॉयस.नेट/VoICE.NET (Voter Information, Communication,

Education Network) – मतदाता शिक्षा पर जानकारी और अनुभवों को साझा करने के लिए

एक वैश्विक ज्ञान नेटवर्क है। जिसमें प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संगठन, विभिन्न चुनाव प्रबंधन निकाय (EMBs)

तथा वर्तमान में विश्व के अन्य कई सहयोगी सदस्य देश शामिल हैं। 🌐 voicenet.in

‘महत्वपूर्ण है मत मेरा’ (My Vote Matters) & ‘वॉयस इंटरनेशनल’ (Voice International) भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिकाएँ हैं। इनमें कमशः विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय चुनावी गतिविधियाँ, नीतियाँ, स्वीप कार्यक्रम/मतदाता शिक्षा और नई जानकारियाँ शामिल की जाती हैं। 🌐 ecisveep.nic.in/files/category/2-publications



मतदाता हेल्पलाइन

1950

1950 भारत निर्वाचन आयोग की मतदाता हेल्पलाइन है।

सूचना, प्रतिक्रिया, सुझाव या शिकायत के लिए 1950 पर फ़ोन करें।



आई.आई.आई.डी.ई.एम. (IIIDEM) : भारत निर्वाचन आयोग ने “भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन संस्थान” की स्थापना प्रशिक्षण और संसाधन केंद्र के रूप में की है। 🌐 iiidem.nic.in



चलो करें मतदान

©Election Commission of India



Nirvachan Sadan, Ashoka Road, New Delhi 110001
All rights reserved

Published for Election Commission of India by
Amar Chitra Katha Pvt. Ltd.



AFL House, 7th Floor, Lok Bharati Complex, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Mumbai - 400059, India.
Email: customerservice@ack-media.com | Printed in India

मत का महत्व





पर दादी, यह रास्ता बहुत लंबा है। आप मेरी बात क्यों नहीं मानतीं?

क्योंकि तुम मेरी बात नहीं मान रहे हो, बेटा!



दादी, एक मिनट।

चुनाव में वोट डालकर हम अपनी बात सरकार तक पहुंचा सकते हैं। अगर तुम मतदान का कर्तव्य नहीं निभाते हो तो तुम अपनी बात सुने जाने का अधिकार भी खो देते हो। ठीक वैसे ही जैसे मैंने तुम्हारी बात नहीं मानी। तो अब हम इसी रास्ते से जाएंगे, समझे!



परेशान क्यों होती हो दादी! मेरे एक वोट से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है।



जैसे बूँद बूँद से सागर भरता है, उसी तरह से हर एक वोट महत्वपूर्ण है।

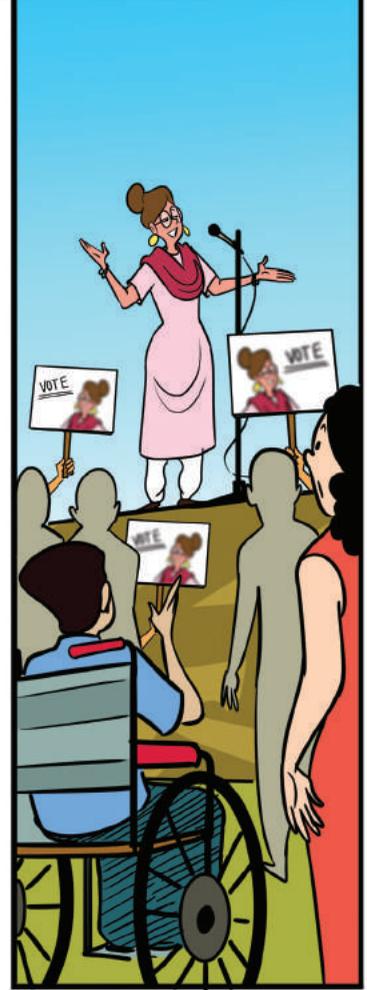


हमारे मतदान द्वारा चुने गए प्रतिनिधि हमारे लिए निर्णय लेते हैं।

देश के कुल 543 चुनाव क्षेत्रों में चुनाव कराना विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया है।



यदि हममें से ज्यादातर लोग वोट न दें तो मुझी भर लोग किसी ऐसे उम्मीदवार को चुन सकते हैं जो ठीक न हो। चुनाव से पहले उम्मीदवार हमें अपनी योजनाओं की जानकारी देते हैं। सही उम्मीदवार का चुनाव कर हम अपने देश की शांति, उन्नति तथा समृद्धि तय करते हैं।



मुझे नहीं मालूम था कि मेरे वोट का इतना महत्व है।

अब तो वोट दोगे न बेटा। याद रखो, मतदान केवल हमारा अधिकार ही नहीं बल्कि एक अच्छे नागरिक होने के नाते हमारा कर्तव्य भी है।

पहला कदम - पंजीकरण



दादी, किंजल!
आइए, आइए।



किंजल और उसकी दादी लता बाज़ार जाते हुए।

कैसी हो, रूपा? मैंने सुना है तुम भी वोटर बन रही हो। मुझे तुम पर नाज़ है।



पर दादी, वोटर कैसे बनू? मुझे इसके बारे में कुछ भी पता नहीं है...



दरअसल यह बहुत आसान है, रूपा। मैं तुम्हारी मदद करूंगी।

आप करेगी? आपकी बात में नोट कर लूँ?



पहले हमें नज़दीक के मतदाता सहायता केन्द्र जाकर एक फॉर्म भरना पड़ता था -

हाँ हाँ दादी, पर आसपास मतदाता सहायता केंद्र कहाँ है?



मैंने कहा है पहले! अब 21वीं सदी है, बच्चों। सब कुछ डिजिटल हो रहा है।



<https://voterportal.eci.gov.in/>, पर लॉग इन करें। फॉर्म 6 भरे। अपना फोटो, एड्रेस प्रूफ और आयु से संबंधित प्रूफ अपलोड करें। बस, हो गया काम!



भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, संसद सदस्यों और विधानसभा सदस्यों के लिए चुनाव का संचालन किया जाता है।



अरे! यह तो बड़ा आसान है। अब मैं घर जाकर कंप्यूटर पर फॉर्म भरती हूँ, ठीक है?

अरे रुको बच्चों! मुझे अपना फोन दो।



यह रहा वोटर हेल्पलाइन ऐप। तुम ऐप पर फॉर्म भरकर जरूरी कागजात अपलोड कर सकते हो। फॉर्म स्वीकृत होते ही तुम्हें वोटर आईडी मिल जायेगा।



चुनाव तो सिर पर हैं। यदि मेरा वोटर आईडी समय पर नहीं आया तो?

कोई बात नहीं। मतदाता सूची* (वोटर लिस्ट) में अपना नाम ढूँढना।

REPUBLIC OF INDIA
Type: P Country Code: IND
Surname: [Redacted]
Given Name: [Redacted]
Nationality: Indian Sex: [Redacted]

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
पिता: [Redacted]
जन्म वर्ष / Year of Birth: [Redacted]
महिला / Female
4855 5000 8000

भारतीय स्टेट बैंक • भारतीय स्टेट बैंक • State Bank of India

यदि तुम्हारे पास वोटर आईडी नहीं है पर तुम्हारा नाम मतदाता सूची में दर्ज है तो मतदान के लिए सिर्फ एक फोटो पहचान पत्र** ही चाहिए।



वोट देना तो बड़ा आसान है! मैं तुरंत अपना नाम दर्ज करवाती हूँ।

मैं भी!



बच्चों, मेरी शुभकामनाएं। मुझे पूरा विश्वास है कि मेरे बगैर भी तुम यह काम कर लोगे।

धन्यवाद दादी! थोड़ी देर बाद आपसे मिलता हूँ।

* मतदाता सूची एक ऐसी सूची है जिसमें एक निर्वाचन क्षेत्र में मत देने योग्य लोगों के नाम दर्ज होते हैं।
** भारत निर्वाचन आयोग चुनाव के समय इस बारे में अधिसूचना जारी करता है।



1947

भारत आजाद हुआ



1950

संविधान सभा ने भारत के संविधान को अंगीकृत किया

अनुच्छेद 326 के माध्यम से 21* वर्ष से ऊपर की उम्र के प्रत्येक भारतीय नागरिक को वोट देने का अधिकार दिया गया।

1951-52

पहले आम चुनाव 1951 से 1952 के दौरान हुए

जिनमें लगभग 17 करोड़ मतदाता थे। लोकसभा की 489 सीटों के लिए कुल 1874 उम्मीदवार खड़े हुए थे।



पहले आम चुनाव में, प्रत्येक उम्मीदवार के लिए एक अलग बैलेट बॉक्स रखा गया था। देश भर के मतदान केन्द्रों से बैलेट पेपर प्राप्त करने के लिए धातु के 24,73,850 और लकड़ी के 1,11,095 बक्सों का उपयोग किया गया था।

1951 के आम चुनाव में कुछ मतपेटियों में सिंदूर, चावल और फूल पाए गए। इससे पता चलता है कि कुछ मतदाता चुनाव को एक प्रकार की दिव्यता से जोड़कर देखते थे।



1951 के आम चुनावों में भारत के लोगों को इस बारे में शिक्षित करने और बहुत सारे प्रचार की आवश्यकता पड़ी। चुनावों की अवधि के दौरान 397 अखबार छपने शुरू हुए। चुनाव के समापन पर उनमें से अधिकांश का संचालन बंद हो गया।

अमित स्याही 1951 से हमारे चुनावों का अभिन्न हिस्सा रही है। भारतीय वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद ने 1951 में इस स्याही का अनुसंधान किया और यह आज तक मैसूर पेंट एंड वार्निश द्वारा बनाई और चुनाव में उपयोग की जा रही है।



1951-और-2019: अब तक की यात्रा

| | लोकसभा चुनाव-1951 | लोकसभा चुनाव-2019 |
|-------------------------------|-------------------|-------------------|
| कुल मतदाताओं की संख्या | 17.3 करोड़ | 91.1 करोड़ |
| मतदान केन्द्रों की कुल संख्या | 1.96 लाख | 10.37 लाख |
| निर्वाचित महिलाओं की संख्या | 24 | 78 |
| प्रतियोगियों की कुल संख्या | 1874 | 8054 |

*सन 1988 में 61 वे संविधान संशोधन द्वारा यह उम्र 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दी गयी है।

जहाँ जाएं अपना वोट साथ ले जाएं

कुछ दिन बाद -



घनश्याम ?

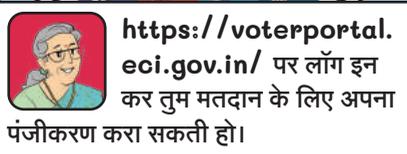
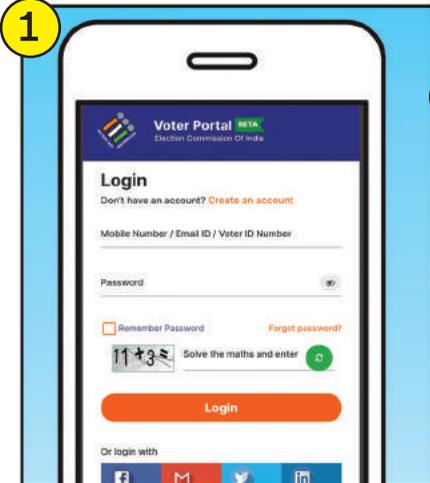


मैंने तुम दोनों को बहस करते सुना। क्या तुम्हारी समस्या, मैं सुलझा सकती हूँ?



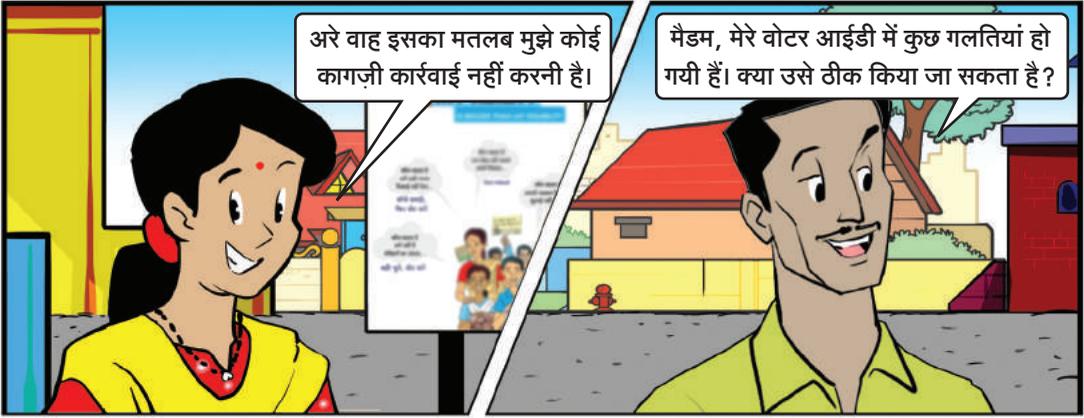
मैडम, यहाँ मेरा नाम दर्ज नहीं है। विवाह के बाद पिछले महीने ही मैं इस शहर में रहने आयी हूँ।





उसके बाद, अपना नया पता, फोटो और पहचान पत्र (वोटर आईडी) अपलोड कर फॉर्म जमा कर दो। फॉर्म स्वीकृत होने के बाद तुम्हारा नाम अपने आप पुरानी सूची से हटकर नयी सूची में दर्ज हो जायेगा।

पहले आम चुनाव में, भारत के प्रथम मुख्य निर्वाचन आयुक्त, सुकुमार सेन ने मतदाता सूची में महिलाओं को 'राम की माँ', 'श्याम की बहू' जैसे नामों से नामांकित करने से इनकार कर दिया। उन्होंने महिलाओं को उनके असली नाम से सूची में शामिल किया।



हाँ घनश्याम, कर सकते हो! अपने वोटर आईडी में गलत जानकारियों को ठीक करने या बदलने की सुविधा <https://voterportal.eci.gov.in/> पर है। अपना नाम, पता संबंधी गलतियों को सही करने के लिए फॉर्म 8 पर क्लिक करें।



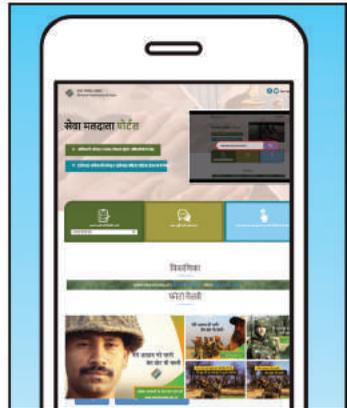
अपने सही दस्तावेज जोड़ें। बस, हो गया तुम्हारा काम! सभी फॉर्म के लिए तुम्हें एक रेफरेंस आई डी - (विशिष्ट नंबर) दिया जायेगा। उस नंबर की सहायता से तुम अपने आवेदन के बारे में जानकारी पा सकते हो।



मृत्यु, स्थान परिवर्तन या किन्हीं अन्य कारणों से मतदाता सूची से नाम हटवाने के लिए फॉर्म 7 भरीए।



प्रवासी भारतीय मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म 6क भरें।



सेवा मतदाता पंजीकरण के लिये **servicevoter.nic.in** लॉग ऑन करें।

1971 लोकसभा चुनाव में लिंगभेद की तुलना के अंतर -11.79% की अपेक्षा 2019 के लोकसभा चुनाव में +0.17% का सुधार हुआ है। इसका अर्थ है कि 2019 लोकसभा चुनाव में पुरुषों की अपेक्षा महिला मतदाता अधिक थीं।

आधुनिक भारत में चुनाव

भारत निर्वाचन आयोग

संविधान के प्रावधानों के अनुसार निर्वाचन आयोग मतदाता सूची तैयार करने से लेकर मतदान परिणाम तक, पूरी प्रक्रिया की देखरेख, निदेशन और नियंत्रण करता है।

चुनाव आयोग संसद, विधानसभाओं और विधान परिषद चुनावों के साथ-साथ भारत के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनावों का भी संचालन करता है।



स्वतन्त्र और निष्पक्ष

पहले कई देशों में स्वतन्त्र चुनाव आयोग होना महत्वपूर्ण नहीं माना जाता था - संयुक्त राज्य अमेरिका ने 1974 में, ऑस्ट्रेलिया ने 1984 में, ब्रिटेन ने 2001 में और न्यूजीलैंड ने 2010 में चुनाव आयोग बनाए हैं।

चुनावों की तिथि-निर्धारण

चुनाव के लिए तिथियों का निर्धारण एक लंबी और जटिल प्रक्रिया है। इसके लिए कृषि चक्र, मौसम, परीक्षा कार्यक्रम, त्योहारों और सार्वजनिक छुट्टियों के विभिन्न कारकों को ध्यान में रखना पड़ता है। याद रखें, मतदान दिवस एक आधिकारिक अवकाश होता है, ताकि अधिक से अधिक संख्या में लोग चुनावी प्रक्रिया में भाग ले सकें!



राज्य और

केंद्रशासित प्रदेश

भारत के हर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में एक मुख्य निर्वाचन अधिकारी होता है जिसे राज्य द्वारा नामांकित भा.प्र.से. के वरिष्ठ अधिकारियों में से चुना जाता है। ये अधिकारी उस राज्य में चुनावी प्रक्रिया के प्रभारी होते हैं।



संवैधानिक निकाय होने के नाते, देश का भारत निर्वाचन आयोग संघ लोक सेवा आयोग और भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की तरह उन कुछ संस्थानों में से है, जो स्वायत्त और स्वतन्त्र रूप से कार्य करते हैं।



लोकसभा 2019 के चुनावों में मतदान प्रतिशत सर्वाधिक रहा जो 67.47% है।

भारत निर्वाचन आयोग ने अब तक

17 आम चुनाव

15 राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव

367 राज्य विधान सभा चुनाव

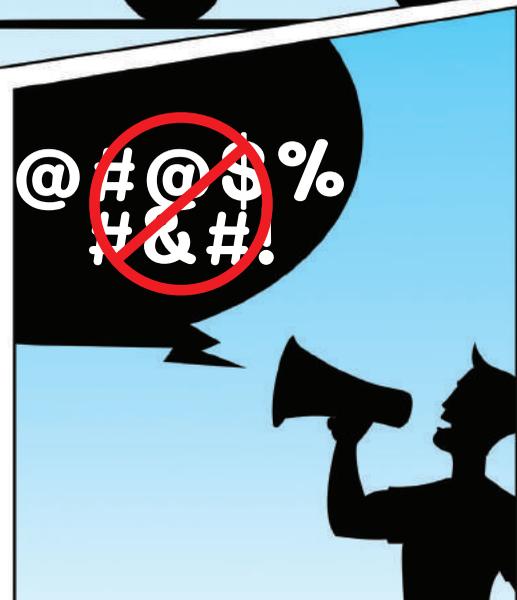
का संचालन किया है।

नैतिक और भयमुक्त मतदान



1951 - 52 के लोकसभा चुनाव में 24 महिलाओं की तुलना में 2019 के लोकसभा चुनाव में 78 महिलाएँ विजयी रहीं।

... वोट के लिए लोगों को रिश्वत देना, उन्हें धमकाना या जाति - धर्म के नाम पर वोट डालने को कहना सरासर गलत है, अपराध है!





चुनाव आयोग द्वारा बनाए गए cVIGIL* ऐप का इस्तेमाल करके तुम्हें इनकी शिकायत करनी चाहिए।



इस ऐप से तुम फोटो खींच सकते हो और गलत व्यवहार का वीडियो भी बना सकते हो।

cVIGIL, जीपीएस के जरिए आप कहाँ हैं यह पता कर कार्रवाई करने की सूचना अधिकारियों को तुरंत देता है।



अगर उन्हें पता चल गया कि मैंने वीडियो अपलोड किया है तो ?



cVIGIL, बिना नाम बताए रिपोर्ट करने की भी सुविधा देता है। किसी को भी तुम्हारे बारे में पता नहीं चलेगा।

* अर्थात् सिटीजन विजिल

2019 की 17 वीं लोकसभा में मतदान 67.47% हुआ जो 1951-52 की पहली लोकसभा के 44.87% के मुकाबले काफी अधिक था।



* <https://affidavit.eci.gov.in> ** इनमें से कोई नहीं।

आदर्श आचार संहिता

आदर्श आचार संहिता, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के आचरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशानिर्देश हैं। चुनावों की घोषणा होने पर आदर्श आचार संहिता तुरंत लागू की जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पार्टियों और उम्मीदवार बोट हासिल करने के लिए अनैतिक तौर-तरीके नहीं अपनाएँ। यहाँ कुछ मुख्य बिंदु दिए गए हैं जो आपके लिए प्रासंगिक हो सकते हैं!

कोई भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार, जाति समुदाय, धर्म या भाषा के नाम पर बोट नहीं माँगेगा या उनके बीच तनाव पैदा नहीं करेगा।



बोट हासिल करने के लिए जातिगत या सांप्रदायिक भावनाओं वाली कोई अपील नहीं की जाएगी। धार्मिक या अन्य पूजा स्थलों का चुनाव प्रचार के लिए मंच के रूप में उपयोग नहीं किया जाएगा।

कोई भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार अपने अनुयायियों को किसी व्यक्ति की भूमि, भवन, परिसर की दीवार आदि का उपयोग बिना अनुमति बैनर लटकाने, नोटिस चिपकाने या नारे लिखने आदि के लिए नहीं करने देगा।



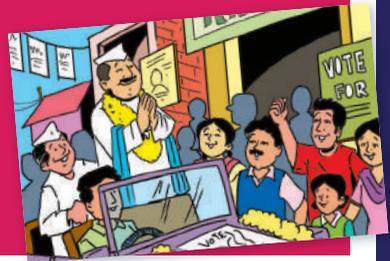
बिना अनुमति के कोई भी उम्मीदवार या राजनीतिक दल लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं कर सकता है।



सभी राजनीतिक दल चुनाव ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों के साथ सहयोग करेंगे जिससे शांतिपूर्ण और व्यवस्थित मतदान सुनिश्चित किया जा सके तथा मतदाता बिना किसी परेशानी या बाधा के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

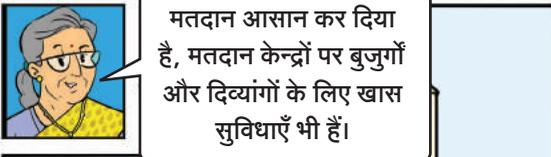


पार्टी या उम्मीदवार को पहले से ही मार्ग, समय और स्थान बताकर जुलूस के लिए अनुमति लेनी होगी। आयोजक सुनिश्चित करेंगे कि जुलूस के दौरान यातायात में कोई अवरोध या बाधा न हो।



यदि आप आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित कोई भी घटना देखते हैं तो उसे **cVIGIL** ऐप पर रिपोर्ट करना न भूलें।

कोई मतदाता न छूटे





बधिर लोगों की मदद के लिए झ्यूटी पर तैनात अधिकारियों को सांकेतिक (साइन लैंग्वेज) भाषा की ट्रेनिंग दी जाती है।



वह सब तो ठीक है, लताजी। लेकिन मतदान केन्द्र पर कतार भी रहेगी?

चिंता क्यों करते हैं, संजय। मतदान केन्द्र पर तीन कतारें होती हैं। पहली पुरुषों के लिए, दूसरी महिलाओं के लिए और तीसरी दिव्यांगों तथा बुजुर्गों मतदाताओं के लिए। आपको इंतज़ार नहीं करना होगा।



मतदान केन्द्र में पानी, कुर्सी और लाइट का इंतजाम है। सभी केन्द्रों पर इमरजेंसी के लिए दवाओं की सुविधा भी है।



इसके अलावा हर तरह की मदद के लिए वहाँ स्वयंसेवक मौजूद रहते हैं।





बाकी सुविधाओं के लिए आप भारत निर्वाचन आयोग के PwD ऐप* को डाउनलोड कर सकते हैं।



इस ऐप से दिव्यांग और बुजुर्ग, पोलिंग स्टेशन जाने - आने की सुविधा का इस्तेमाल कर सकते हैं। जरूरत पड़ने पर केन्द्र तक जाने - आने में एक स्वयंसेवक उनकी मदद करेगा।



दिव्यांग और बुजुर्ग लोग भी मतदान के दिन से पहले व्हीलचेयर की सुविधा के लिए आवेदन कर सकते हैं।



लताजी, इसका मतलब मैं भी इतनी आसानी से वोट दे सकता हूँ. वाह!

अब तो आप मुझे अच्छी छूट देंगे न ?

हाहाहा!

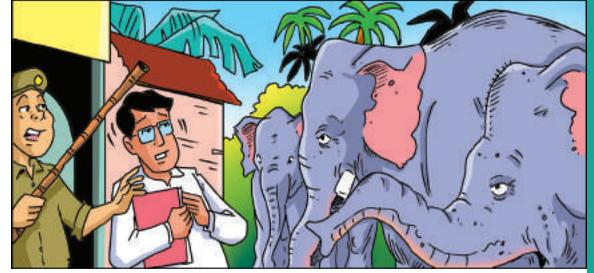
नहीं! पर अपनी ओर से एक गुलाब जामुन ज्यादा दूँगी।

*दिव्यांगों के लिए ऐप

चुनाव की कहानियाँ!



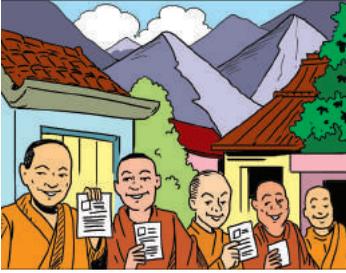
लोकसभा चुनाव, 2019: भिवंडी संसदीय क्षेत्र की कविता ठाकरे का परिवार चिंतित था। उन्हें उसका कहीं पता नहीं चल रहा था। अभी कुछ समय पहले तक वह अपनी दुल्हन की पोशाक और सुंदर कपड़े पहने हुए वहीं उपस्थित थी। आखिर यह उसकी शादी का दिन था! समय बीतने के साथ परिवार की चिन्ता बढ़ती गई, किन्तु अंततः दुल्हन स्याही लगी उंगली के साथ वापस आई और सबसे कहा, 'अब मैं शादी करूंगी और तुम सब जाकर मतदान कर सकते हो!'



लोकसभा चुनाव, 2014: लोकसभा चुनावों के दौरान, मेघालय में 55 सलमानपारा मतदान खंड के तहत बड़ी संख्या में रहने वाले हाथियों को दूर रखने के लिए वन अधिकारियों और कर्मियों के साथ आपातकालीन बैठकें की गई थीं। छह वन कर्मियों, दो फॉरेस्टरों और चार फॉरेस्ट गार्ड्स वाली पाँच टीमों को हाथियों के कारण संवेदनशील 19 मतदान केंद्रों को कवर करने के लिए तैनात किया गया था।

लोकसभा चुनाव,

2019: सिक्किम का संघ विधानसभा क्षेत्र अपने आप में अનોखा है। इस विधानसभा क्षेत्र की कोई भौगोलिक सीमा नहीं है। यह क्षेत्र में रमण करते हुए बौद्ध भिक्षुओं के लिए आरक्षित है।



दिल्ली विधानसभा चुनाव, 2020:

इस बार दिल्ली विधानसभा चुनाव में 100 वर्ष से अधिक आयु के 96 मतदाताओं ने वोट किया। जिसमें, 111 वर्षीय बचन सिंह सबसे उम्रदराज हैं। दिल्ली के ब्रिटिश भारत की राजधानी बनने के समय वे सिर्फ तीन साल के थे!



102 वर्षीय श्याम सरन नेगी स्वतंत्र भारत के प्रथम वोटर माने जाते हैं। हिमाचल प्रदेश के चित्री चुनाव क्षेत्र से उन्होंने पहला वोट दिया था। इन्होंने 1951-52 से लेकर अभी तक के सभी राष्ट्रीय चुनावों में मतदान किया है।

लोकसभा चुनाव, 2019: सबा और फराह जुड़वां बहनें हैं जो शारीरिक रूप से जुड़ी हैं। वे बिहार में पटना के दीघा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान करती हैं। उन्होंने 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में एकल मतदाता के रूप में मतदान किया। हालांकि, इस बार भारत निर्वाचन आयोग ने सबा और फराह को अलग-अलग व्यक्तित्व माना और उन दोनों को अलग-अलग वोट करने की अनुमति दी।



मेघालय विधानसभा चुनाव, 2008:

मेघालय के रंगासकोना निर्वाचन क्षेत्र में, एडॉल्फ लू हिटलर माराक नामक एक उम्मीदवार ने चुनाव लड़ा। उन्हें आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने पर जॉन एफ. कैनेडी नाम के पुलिस अधीक्षक ने गिरफ्तार भी किया था। अगले दिन जॉन एफ. कैनेडी द्वारा एडॉल्फ हिटलर की गिरफ्तारी खबरों की सुर्खियों में रही! एडॉल्फ लू हिटलर माराक उस चुनाव में विजयी रहे।

मतदान का दिन

चुनाव का दिन -

मैं बहुत उत्साहित हूँ!
मेरा पहला मतदान!

दादी, जरा बताइए वोट कैसे देते हैं
ताकि रूपा की बेचैनी कम हो।

हाँ, अभी बताती हूँ।



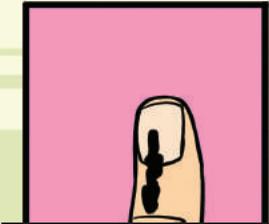
मतदान स्थल पहुंचकर सबसे
पहले तुम अपना बूथ ढूंढो।
अन्यथा हेल्प डेस्क से पूछो।



बूथ में जाते ही
अपना वोटर
आईडी या
आवश्यक आईडी दिखाओ।
झूटी पर मौजूद अधिकारी
मतदाता सूची में तुम्हारा नाम
देखकर उसकी जांच करेगा।



तुम्हारी बाएं हाथ की तर्जनी
उंगली पर एक अमिट स्याही
से निशान लगाया जायेगा।

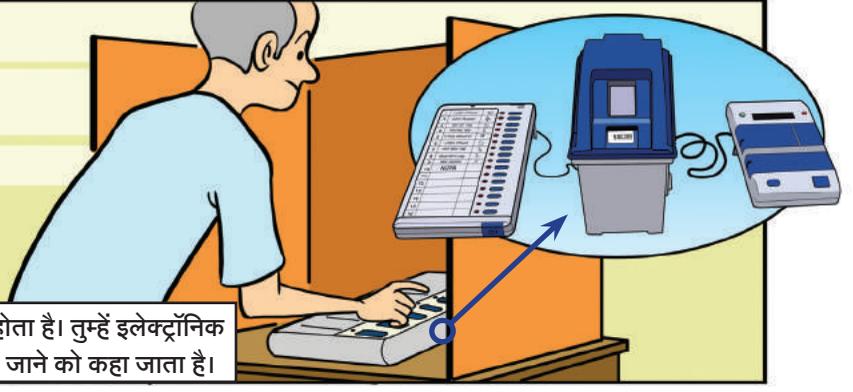


स्याही का यह
निशान पहचान के
लिए होता है ताकि
कोई दोबारा वोट न दे सके।

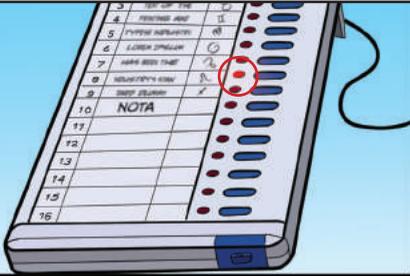
लोकतंत्र का
भाग्य-विधाता
होता जागरूक
मतदाता



इसके बाद वोट देना होता है। तुम्हें इलेक्ट्रॉनिक
वोटिंग मशीन के पास जाने को कहा जाता है।



मशीन पर उम्मीदवारों के नाम,
फोटो एव अन्य विवरण होते हैं।
अपनी परसंद के उम्मीदवार के नाम
के सामने लगे नीले बटन को दबा दो। बटन दबाते
ही लाल बत्ती जलेगी, और बीप की आवाज़ सुनाई
देगी, तो समझो कि तुम्हारा वोट दर्ज हो चुका है।



वोट देते ही **VVPAT*** मशीन में लाइट जल उठेगी।
फिर एक पर्ची दिखाई देगी जिस पर सीरियल नंबर,
उम्मीदवार का नाम और चुनाव चिन्ह होगा, जिसे
तुमने वोट दिया। पर्ची लगभग सात सेकंड ही दिखेगी, फिर मशीन
(वी. वी. पेट ड्रॉपबॉक्स) में चली जायेगी ताकि तुम्हारा वोट कोई
जान न सके।

आपने वोट देना सिखा
दिया, थैंक्यू दादी!

वेलकम, बच्चों! आज
तुम देश के लिए बहुत बड़ा
फैसला लेने जा रहे हो।

जी, दादी!



* वोटर वेरिफाइएबल पेपर ऑडिट ट्रेल

1951 - 52 के लोकसभा चुनाव में देश में स्थापित 1.96 लाख मतदान केन्द्रों की तुलना में 2019 के लोकसभा चुनाव में 10.37 लाख मतदान केन्द्र स्थापित किए गए थे।

कुछ देर बाद -

यह सब तो बड़ा ही दिलचस्प रहा!

मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा कि मैंने वोट दिया।

तो चलो, मौज करें। मैं तुम दोनों को आइसक्रीम खिलाऊंगी।

दादी, आपने हमारी इतनी मदद की, आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

हाँ, आपकी बातें बहुत काम आयीं। दादी, वोटिंग के बारे में आप इतना सब कैसे जानती हैं?

इलेक्टोरल लिटरसी क्लब क्या है? हमारे स्कूल में तो नहीं था।

अब तो तुम्हारे स्कूल में भी स्थापित हो चुका होगा।

जब मैं स्कूल की प्रिंसिपल थी तब हम इलेक्टोरल लिटरसी क्लब (निर्वाचन साक्षरता क्लब) भी चलाते थे।

इलेक्टोरल लिटरसी क्लब भारत निर्वाचन आयोग की एक पहल है। इससे स्कूल और कॉलेज के छात्रों को सिखाया जाता है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में मतदान कैसे होता है।

इलेक्टोरल लिटरसी क्लब में कौन - कौन शामिल हो सकते हैं?

स्कूल में नौवीं से बारहवीं कक्षा के छात्र और कॉलेज में सभी उम्र के छात्र शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा समुदाय में हर उम्र के लोगों को चुनाव पाठशाला में चुनाव के बारे में सिखाया जाता है। नौकरीपेशा, सरकारी और प्राइवेट कर्मचारियों के लिए वोटर अवेयरनेस फोरम हैं। ecisveep.nic वेबसाइट पर मतदाता जागरूकता संबंधित पूरी जानकारी मिलती है।

भारत निर्वाचन आयोग जाति, धर्म, वर्ग, शिक्षा और किसी भी क्षेत्र से परे जागरूक वोटर चाहता है। चुनाव एक ऐसा साधन है जिससे देश बेहतर बन सकता है, इसलिए हमें सोच - समझकर वोट देना चाहिए।



दादी, ये कुछ हफ्ते बहुत मजेदार रहे। मैं इसे यादगार बनाना चाहती हूँ। आइए, एक सेल्फी लेते हैं।



हा हा हा हा!

हा हा हा हा!

हा हा हा हा!

कहो, सुरक्षित और स्वतंत्र चुनाव!

हर एक वोट महत्वपूर्ण है! इसलिए एक अकेले मतदाता के लिए भी गुजरात में गिर के सघन वन और अरुणाचल प्रदेश के मालोगाम में मतदान केन्द्र बनाया गया।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन

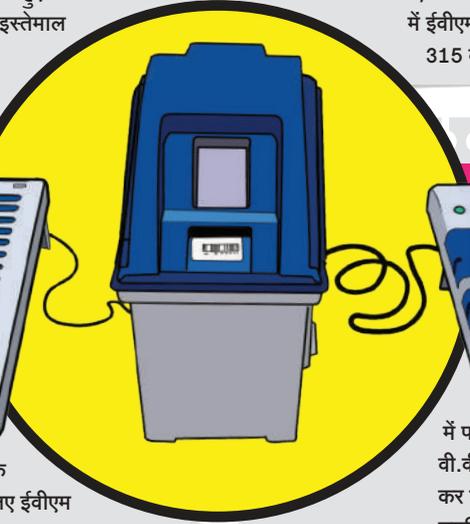
मशीनों ने चुनाव सामग्री की लागत में भारी कटौती की है, अवैध मतदान और मानवीय त्रुटि को अतीत की बात बना दिया है और इनसे मतगणना पहले से बहुत तेज और बाधा रहित हो गई है।

संक्षिप्त इतिहास

19 मई 1982 को पेरूर विधानसभा क्षेत्र केरल में हुए मध्यावधि चुनाव के दौरान कुल 50 ईवीएम का इस्तेमाल किया गया था। यह प्रयोग बहुत सफल रहा। 1982-83 में नागालैंड, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, त्रिपुरा विधानसभा चुनावों में और दिल्ली के महानगर परिषद चुनावों में सीमित संख्या में ईवीएम का उपयोग हुआ। 1998 में राजस्थान, मध्य प्रदेश और दिल्ली के विधान सभा चुनावों में 16 विधानसभा क्षेत्रों में 2,930 मतदान केंद्रों पर ईवीएम का इस्तेमाल हुआ। अंततः 2004 के 14वें आम चुनावों में सभी लोकसभा क्षेत्रों के लिए ईवीएम का उपयोग किया गया।



तब से, 4 लोकसभा और 122 राज्य विधानसभा चुनावों में ईवीएम का सफल उपयोग किया गया है। अब तक 315 करोड़ से ज्यादा वोट ईवीएम पर पड़ चुके हैं।



वी.वी.पेट या वोटर वेरिफाइएबल पेपर ऑडिट ट्रेल का सितंबर 2013 में नागालैंड के 51-नोक्सन विधानसभा क्षेत्र

में पहली बार इस्तेमाल किया गया था - वी.वी.पेट मशीन से मतदाता यह सत्यापित कर पाते हैं कि उनका वोट उनके द्वारा चयनित उम्मीदवार को ही गया है।

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह शोम्पेन जनजाति का घर है, जो पाषाण युग की अंतिम ज्ञात जनजातियों में से एक है। उन्होंने 2014 के आम चुनावों में पहली बार चुनावी प्रक्रिया में भाग लिया।



पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश में, सिर्फ एक मतदाता के लिए, मतदान कर्मियों के एक दल चुनाव सामग्री को लेकर चार दिनों में 300 मील की दूरी तय की। इन चार दिनों में उन्होंने नदियों, दुर्गम पहाड़ियों, अस्थायी पुल पार किये। यह सब सिर्फ एक मतदाता सोकेला तैयांग, जो अपने गाँव की एकमात्र मतदाता हैं।



हिमाचल प्रदेश के ताशीगंग गाँव में दुनिया का सबसे ऊँचा मतदान केंद्र स्थापित किया गया था। यहां रैम्प, स्वयंसेवक और परिवहन जैसे सभी सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं थीं। गाँव के सभी सदस्य लोकतंत्र का जश्न मनाने के लिए अपने पारंपरिक पोशाकों में मतदान करने के लिए आए थे।



सहज, सुगम, सुरक्षित मतदान

कुछ महीने बाद उपचुनाव हुए।

पहचान पत्र साथ ले जाएं

ये लोग क्या बात कर रहे हैं?

दादी, मुझे फिर से वोट देने के लिए बेताबी हो रही है।

कोविड 19 के चलते क्या लोग वोट देने जाएंगे ?

यह मैं क्या सुन रही हूँ कि आप लोग वोट नहीं देंगे? क्यों?

क्योंकि यहाँ सब ठीक नहीं है। हम बीमार हो गए तो ?

पहचान पत्र साथ ले जाएं

इससे पहले मैंने हमेशा वोट दिया। पर इस बार मुझे अपनी तबीयत की चिंता हो रही है।

कोविड 19 हमें वोट देने से रोक नहीं सकता।

भारत निर्वाचन आयोग ने बीमारी से बचाव और सुरक्षित चुनाव का पूरा इंतजाम किया है।

पहचान पत्र साथ ले जाएं

क्या इंतजाम ?

मतदाताओं की तर्जनी उँगली पर लगायी जानेवाली अभिर स्याही सिल्वर नाइट्रेट से बनती है।



वोटर होने के नाते हमें मतदान केन्द्र पर भीड़ नहीं करनी चाहिए। पड़ोसियों के साथ तालमेल बिठाकर वोट देने जाना चाहिए।





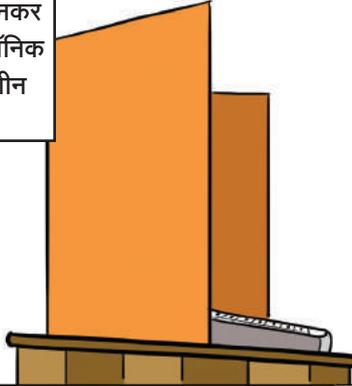
कोविड 19 से बचाव के लिए हमें मास्क पहनना है।



केन्द्र पर अपनी पहचान बताने के लिए वोटर को मास्क नीचे करने को कहा जायेगा। ऐसा करते समय सामाजिक दूरी / सैनेटाइज़ेशन का ध्यान रखें।



ग्लव्स पहनकर ही इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का इस्तेमाल करें।



बाएं हाथ पर अमिट स्याही लगाने से पहले और बाद में हाथ जरूर सैनेटाइज़ करें।



यदि आपने कहीं कुछ छुआ है तो बैक्टीरिया या वायरस से बचाव के लिए वोट देने से पहले और बाद में अपने हाथ सैनेटाइज़ करें।



हर केन्द्र पर चुनाव आयोग सैनेटाइज़र तथा साबुन और पानी का इंतजाम करेगा।

भारत निर्वाचन आयोग ने अपने सिद्धांत - 'कोई मतदाता न छूटे' (No voter to be left behind) के चलते, पूरे देश के प्रत्येक वोटर तक अपनी पहुँच बनायी है।



इतना ही नहीं,
कोविड से
प्रभावित तथा
80 वर्ष या अधिक उम्र के
बुजुर्ग मतदाता और दिव्यांग
मतदाता पोस्टल बैलट से
भी वोट दे सकते हैं।



FORM 12D

[see rule 27-C]

PART I

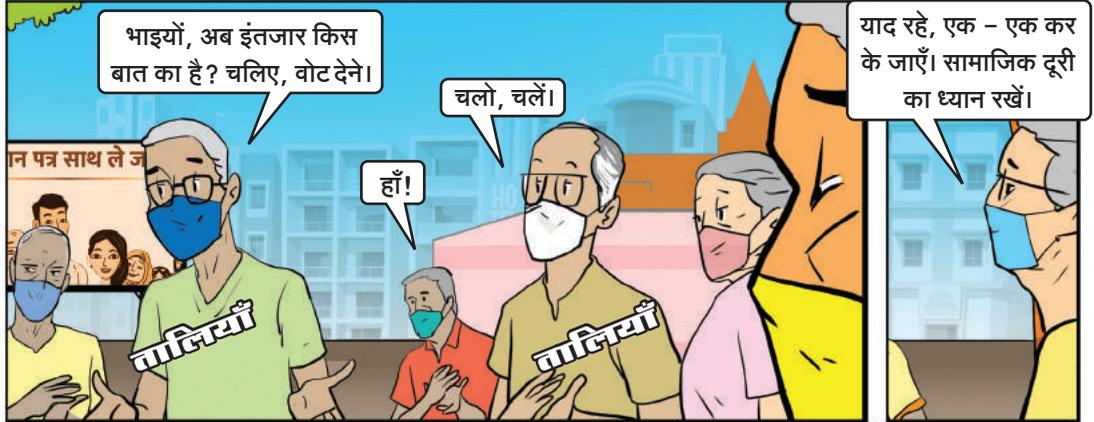
Letter of intimation to Assistant Returning Officer
(for absentee voters)

To:

The Assistant Returning Officer,
(for the notified class of electors)

.....
Parliamentary/Assembly constituency

पोस्टल बैलट का अनुरोध करने के
लिए, फॉर्म 12D भरें।



❖ बी एल ओ को सूचित करके पोस्टल बैलट की सुविधा का इस्तेमाल किया जा सकता है।

जाँचे अपना Voter Quotient (VQ)

1

क्रम स्तर



1. कौनसी संस्था राज्य की विधान सभाओं और विधान परिषदों के लिए निर्वाचन संचालित करती है ?
क. राज्य निर्वाचन आयोग ख. भारत निर्वाचन आयोग ग. विधान परिषद घ. पंचायत
2. लोक सभा चुनाव किस वर्ष में हुए थे ?
क. 1951-52 ख. 1919 ग. 1935 घ. 1947
3. भारत में राष्ट्रीय मतदाता दिवस कब मनाया जाता है ?
क. 26 जनवरी ख. 25 दिसम्बर ग. 15 अगस्त घ. 25 जनवरी

2

क्रम स्तर



4. किस वर्ष में अहर्क आयु 21 से घटाकर 18 कर दी गई थी ?
क. 1951 ख. 1963 ग. 1989 घ. 1990
5. भारत में कितने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र हैं ?
क. 243 ख. 343 ग. 443 घ. 543
6. भारत के प्रथम मुख्य निर्वाचन आयुक्त कौन थे ?
क. कल्याण सुंदरम ख. सुकुमार सेन ग. एस.पी. सेन वर्मा घ. नागेन्द्र सिंह

3

क्रम स्तर



7. निर्वाचन मानदंडों के अनुसार मतदान केंद्र से मतदाता के घर की अधिकतम दूरी कितनी होनी चाहिए ?
क. 1 कि.मी. ख. 2 कि.मी. ग. 3 कि.मी. घ. 5 कि.मी.
8. नाम या अन्य विवरणों में सुधार करने के लिए कौन से प्रारूप को भरे जाने की जरूरत होती है ?
क. प्रारूप 8 ख. प्रारूप 6 ग. प्रारूप 7 घ. प्रारूप 8क
9. अब तक लोक सभा के कितने चुनाव हुए हैं ?
क. 14 ख. 15 ग. 16 घ. 17
10. वीवीपैट का पूर्ण रूप क्या है ?
क. वोटर वेरिफायबल पेपल ऑडिट ट्रेल
ग. वैकेंसी वोट पेपर ऑर्थेंटिकेशन टेस्ट
ख. मतदाता सत्यापनीय प्रिंटर एण्ड टोनर
घ. सत्यापन वेक्टर प्रिंटिंग एण्ड टेस्टिंग

जाँचे अपना Voter Quotient (VQ)

4

क्रम स्तर



11. कोई भी व्यक्ति निर्वाचक नामावली में कैसे पंजीकृत/नामांकित हो सकता है ?

- क. प्रारूप 6 भर कर ख. प्रारूप 6क भरकर ग. प्रारूप 7 भरकर घ. प्रारूप 8 भरकर

12. मतदाता हेल्पलाइन फोन का नंबर क्या है ?

- क. 1950 ख. 1098 ग. 1947 घ. 1097

13. आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन की शिकायत _____ ऐप के माध्यम से की जा सकती है।

- क. सी-विजिल ऐप ख. पीडब्ल्यूडी ऐप ग. मतदाता हेल्पलाइन नंबर घ. बूथ ऐप

14. डाक मतपत्र की सुविधा किन्हें प्रदान की जाती है ?

- क. दिव्यांगजन और 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक के लिए ख. पहली बार बने निर्वाचक
ग. महिला निर्वाचक घ. जनजातीय निर्वाचकीं

5

क्रम स्तर



15. निर्वाचनों से पूर्व अभ्यर्थियों द्वारा प्रचार करने की क्या समय-सीमा है ?

- क. मतदान समाप्ति के 24 घंटे पूर्व ख. मतदान समाप्ति के 36 घंटे पूर्व
ग. मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व घ. मतदान समाप्ति के 72 घंटे पूर्व

16. एम 3 मॉडल के ईवीएम (2013 के बाद) अधिकतम कितने अभ्यर्थियों के लिए कार्य कर सकते हैं ?

- क. 24 बैलेटिंग इकाईयों को जोड़कर नोटा सहित 384 अभ्यर्थी
ख. 16 बैलेटिंग इकाईयों को जोड़कर नोटा सहित 256
ग. 02 बैलेटिंग इकाईयों को जोड़कर नोटा सहित 32
घ. 04 बैलेटिंग इकाईयों को जोड़कर नोटा सहित 64

17. निर्वाचन शिक्षा और सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के अंग को किस नाम से जाना जाता है ?

- क. राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल ख. राष्ट्रीय संपर्क केंद्र
ग. भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान घ. सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम

18. मतदाता पंजीकरण के लिए इनमें से कौन-सा दस्तावेज, पते के प्रमाण के लिए मान्य/वैध नहीं होगा ?

- क. बैंक पासबुक ख. पासपोर्ट
ग. कॉलेज पहचान पत्र घ. ड्राइविंग लाइसेंस

19. नोटा का क्या मतलब है ?

- क. विधान सभा का नहीं ख. आवेदकों में से कोई भी नहीं
ग. इनमें से कोई भी नहीं घ. आवेदकों का नहीं

क्रम स्तर 1: 1-ख, 2-क, 3-घ, 4-ग, 5-घ, 6-ख, 7-क, 8-क, 9-घ, 10-क;
क्रम स्तर 2: 4-ग, 5-घ, 6-ख, 7-क, 8-क, 9-घ, 10-क;
क्रम स्तर 3: 7-ख, 8-क, 9-घ, 10-क;
क्रम स्तर 4: 11-क, 12-क, 13-क, 14-क, 15-क, 16-क, 17-घ, 18-ग, 19-ग

सही उत्तर:



cVIGIL
Android App



PwD
Android App



Voter Helpline
Android App



cVIGIL
iOS App



PwD
iOS App



Voter Helpline
iOS App



Voter
Portal



ECI
SVEEP



जैसे कि आप चुनावों की प्रक्रिया के बारे में काफी कुछ जान गए हैं। अब उन सभी संसाधनों का उपयोग करें जिन्हें निर्वाचन आयोग ने आपकी सुविधा के लिए बनाया है।



मेरा नाम
किंजल

महत्वपूर्ण है मत मेरा!

मैं हूँ रुपा

और मेरा
नाम लता

आइए और हमारी
मतदान यात्रा में शामिल
हो जाइए!

इस यात्रा में आपका स्वागत है! हमारे मित्रों के साथ, इन चुनावों में
'कैसे सहज, सुगम और सुरक्षित मतदान करें', से जानिये।



घनश्याम



बाबू



मालिनी



संजय



आरती